माध्यमिक शिक्षा परिषद उ0प्र0 बोर्ड द्वारा प्रस्तावित
2024-25 परीक्षा हेतु प्रश्न-पत्र
सामाजिक विज्ञान
कक्षा : 10
मॉडल पेपर - 5

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 70**

नोट: प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश :

(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) इस प्रश्नपत्र के **दो** खण्ड, **खण्ड – अ** तथा **खण्ड –ब** हैं।

(iii) **खण्ड – अ** में **1** अंक के **20** बहुविकल्पीय प्रश्न हैं जिनके उत्तर **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर देने हैं।

(iv) **खण्ड – अ** के प्रत्येक प्रश्न का निर्देश पढ़कर केवल प्रदत्त **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर ही उत्तर दें। **ओ.एम.आर.** उत्तर पत्रक पर उत्तर देने के पश्चात उसे नहीं काटें तथा इरेजर अथवा ह्वाइटनर का प्रयोग न करें।

(v) प्रश्न के अंक उसके सम्मुख अंकित हैं।

(vi) **खण्ड – ब** में **50** अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं। इस खण्ड में वर्णनात्मक-I, वर्णनात्मक-II तथा मानचित्र सम्बन्धी दो प्रश्न हैं।

(vii) **खण्ड – ब** में सभी प्रश्नों के उत्तर एक साथ ही करें।

(viii) प्रथम प्रश्न से आरम्भ कीजिए तथा अन्तिम प्रश्न तक करते जाइए। जो प्रश्न न आता हो उस पर समय नष्ट न कीजिए।

(ix) दिए गए मानचित्रों को उत्तर-पुस्तिका के साथ मजबूती से संलग्न करना आवश्यक है।

(x) दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए मानचित्र कार्य के स्थान पर अलग से प्रश्न 9(A) तथा 9(B) लिखने के लिए दिए गये हैं।

खण्ड-अ
(बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. ऑटो वॉन बिस्मार्क का सम्बन्ध किस देश से था? 1

(a) ब्रिटेन (b) जर्मनी
(c) फ्रांस (d) इटली

2. 'उदारवाद' से तात्पर्य है– 1

(a) निजी सम्पत्ति का अभाव
(b) राज्य द्वारा आर्थिक गतिविधियों पर पाबन्दी
(c) व्यक्ति को स्वतन्त्रता तथा कानून के समक्ष समानता
(d) कुछ लोगों के हाथ में शासन की शक्ति

3. निम्नलिखित में से कौन-सा संघीय सूची का विषय है? 1

(a) व्यापार (b) कृषि
(c) रक्षा (d) शिक्षा

4. जर्मनी के एकीकरण में प्रमुख भूमिका किसकी थी? 1

(a) हिटलर (b) मुसोलिनी
(c) बिस्मार्क (d) महात्मा गाँधी

5. "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा।" किसका कथन है? 1

(a) गोपाल कृष्ण गोखले (b) बाल गंगाधर तिलक
(c) जवाहरलाल नेहरू (d) महात्मा गाँधी

6. विभिन्न स्तरों पर सत्ता का बँटवारा कहलाता है– 1

(a) सामुदायिक सरकार (b) गठबन्धन सरकार
(c) संघीय सरकार (d) एकात्मक शासन

7. लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था अन्य व्यवस्थाओं से अच्छी है, क्योंकि यह 1

(a) सभी नागरिकों में समानता को बढ़ावा देती है
(b) व्यक्ति की गरिमा को बढ़ावा देती है
(c) (a) और (b) दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

8. संविधान के माध्यम से महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया गया है– 1

(a) स्थानीय निकायों में (b) लोक सभा में
(c) राज्य सभा में (d) प्रान्तीय विधायिका में

9. भारत में अवशिष्ट शक्तियाँ किसको प्राप्त हैं? 1

(a) राज्य (b) संघ
(c) (a) और (b) दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

10. भारत में केन्द्रशासित प्रदेशों की संख्या कितनी है? 1

(a) 6 (b) 7
(c) 8 (d) 9

11. निम्नलिखित में से किस राज्य में लाल मिट्टियाँ पाई जाती हैं? 1

(a) गुजरात (b) ओडिशा
(c) पंजाब (d) उत्तर प्रदेश

12. जलमण्डल का कितना प्रतिशत भाग समुद्री जल के रूप में उपलब्ध है? 1

(a) 95% (b) 96%
(c) 97.5% (d) 98%

13. निम्नलिखित में से कौन-सा राज्य बाक्साइट का प्रमुख उत्पादक है? 1

(a) ओडिशा (b) पंजाब
(c) तमिलनाडु (d) बिहार

14. कौन सा उद्योग चूना-पत्थर को कच्चे माल के रूप में प्रयुक्त करता है? 1

(a) एल्युमीनियम (b) सीमेंट
(c) चीनी (d) पटसन

15. निम्नलिखित में से कौन-सा जैव संसाधन है? 1

(a) लोहा (b) मत्स्य उद्योग
(c) ताँबा (d) चट्टानें

16. सूचना का अधिकार अधिनियम कब पारित हुआ? 1

(a) अक्टूबर 2005 (b) मार्च 2005
(c) जनवरी 2006 (d) फरवरी 2005

17. निम्नलिखित में से कौन-सा भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिशत राष्ट्रीय वन नीति (1952) द्वारा निर्धारित किया गया है? 1

(a) 33 (b) 43
(c) 23 (d) 31

18. विकास का महत्वपूर्ण घटक है– 1

(a) आय (b) औसत आय
(c) राष्ट्रीय विकास (d) उच्च विकास

19. निम्नलिखित में से कौन-सी गतिविधि प्राथमिक क्षेत्रक के अन्तर्गत आती है? 1

(a) खनन (b) बर्तन बनाना
(c) भवन निर्माण (d) सिलाई

20. शिशु मृत्यु अनुपात निकाला जाता है– 1

(a) 1000 जीवित बच्चों पर (b) 800 जीवित बच्चों पर
(c) 500 जीवित बच्चों पर (d) 100 जीवित बच्चों पर

खण्ड – ब

(वर्णनात्मक - I)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में दीजिए।)

1. फ्रांस की क्रान्ति के मुख्य कारण क्या थे? 4

अथवा

असहयोग आन्दोलन के कारण तथा उसके प्रभावों का उल्लेख करें। 2+2

अथवा

2. भारत में जाति प्रथा का राजनीति एवं समाज पर क्या प्रभाव पड़ रहा है? 4

अथवा

लोकतन्त्र एक उत्तरदायी एवं वैध शासन-व्यवस्था है। स्पष्ट उल्लेख करें। 2+2

3. खनिज के संरक्षण की विवेचना कीजिए। 4

अथवा

यदि किसानों को सिंचाई और विपणन सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती हैं, तो रोजगार और आय में वृद्धि कैसे होगी? 4

4. विकास मापने का यू.एन.डी.पी. का मापदण्ड किन पहलुओं में विश्व बैंक के मापदण्ड से अलग है? 4

अथवा

भूमि संसाधन से क्या तात्पर्य है? भूमि संसाधन के कोई तीन महत्व बताइये। 4

(वर्णनात्मक- II)

(उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए)

5. सविनय अवज्ञा आन्दोलन से आप क्या समझते हैं? इस आन्दोलन की सीमाओं पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 3+3

अथवा

ब्रेटन वुड्स समझौते के कारण तथा उद्देश्य का उल्लेख करें। ब्रेटन वुड्स ट्विन किसे कहा जाता है? उत्तर लिखिए। 2+2+2

6. संघवाद की किन्हीं चार विशेषताओं का वर्णन कीजिए। $1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}+1\frac{1}{2}$

अथवा

नारीवाद से क्या अभिप्राय है? भारत की विधायिकाओं में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की स्थिति पर प्रकाश डालिये। 2+4

7. मृदा अपरदन से क्या अभिप्राय है? इस समस्या के समाधान हेतु कोई *चार* उपाय सुझाइये। 2 + 4

अथवा

उपभोक्ता के किन्हीं तीन अधिकारों का वर्णन कीजिए। 2+2+2

8. मनरेगा 2005 (MGNREGA 2005) के उद्देश्यों की व्याख्या कीजिए। 6

अथवा

जैव-विविधता क्या है? यह मानव जीवन के लिये क्यों महत्वपूर्ण है? स्पष्ट कीजिए। 2+4

(मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न)

9. (A) निम्नलिखित स्थानों को भारत के दिए गए रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 13 पर) में ⊙ चिन्ह द्वारा नाम सहित दर्शाइए। सही नाम तथा सही स्थान अंकन हेतु $\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$ अंक निर्धारित है।

(i) वह स्थान जहाँ सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(ii) वह स्थान जहाँ किसान सत्याग्रह आन्दोलन हुआ। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iii) वह स्थान जहाँ से महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iv) वह स्थान जहाँ 1929 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन हुआ था। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(v) वह स्थान जहाँ, 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(B) निम्नलिखित स्थानों को भारत के दिए गए रेखा-मानचित्र (पृष्ठ 15 पर) में चिह्न द्वारा नाम सहित दर्शाइए। सही नाम तथा सही स्थान अंकन हेतु $\frac{1}{2}, \frac{1}{2}$ अंक निर्धारित है।

(i) उत्तर भारत की एक नदी चिह्न द्वारा नाम सहित $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(ii) महाराष्ट्र का राजधानी नगर चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iii) भारत के पूर्वी तट का एक समुद्री पत्तन (बन्दरगाह) Δ चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(iv) मैंगनीज उत्पादन का एक क्षेत्र चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(v) छत्तीसगढ़ की राजधानी नगर ◉ चिह्न द्वारा नाम सहित। $\frac{1}{2}+\frac{1}{2}$

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9. (A) के मानचित्र-कार्य के विकल्प स्वरूप)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन किस स्थान पर हुआ था? **1**

(ii) महाराष्ट्र के राजधानी नगर का नाम लिखिए। **1**

(iii) महात्मा गाँधी ने किस स्थान पर नमक कानून तोड़ा? **1**

(iv) मैंगनीज उत्पादन के एक क्षेत्र का नाम लिखिए। **1**

(v) 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन किस स्थान पर हुआ था? **1**

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9. (B) के मानचित्र-कार्य के विकल्प स्वरूप)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) उत्तर भारत की एक नदी का नाम लिखिए। **1**

(ii) इस राज्य के एक गन्ना उत्पादक क्षेत्र का नाम लिखिए। **1**

(iii) भारत के पूर्वी तट पर स्थित एक पत्तन (बन्दरगाह) का नाम लिखिए। **1**

(iv) दक्षिण भारत की एक नदी का नाम लिखिए। **1**

(v) छत्तीसगढ़ की राजधानी का नाम लिखिए। **1**

प्रश्न-पत्र हल
खण्ड अ
(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1. (b) : जर्मनी
2. (c) : व्यक्ति को स्वतन्त्रता तथा कानून के समक्ष समानता
3. (d) : शिक्षा
4. (c) : बिस्मार्क
5. (b) : बाल गंगाधर तिलक
6. (c) : संघीय सरकार
7. (c) : (a) और (b) दोनों
8. (a) : स्थानीय निकायों में
9. (b) : संघ
10. (c) : 8
11. (b) : ओडिशा
12. (c) : 97.5%
13. (a) : ओडिशा
14. (b) : सीमेंट
15. (b) : मत्स्य उद्योग
16. (a) : अक्टूबर 2005
17. (a) : 33
18. (c) : राष्ट्रीय विकास
19. (a) : खनन
20. (a) : 1000 जीवित बच्चों पर

खण्ड – ब
(वर्णनात्मक - I)

(निम्न प्रश्नों के उत्तर प्रत्येक लगभग 80 शब्दों में दीजिए।)

1. किसी भी देश में होने वाली क्रांति के बीज उस देश की जनता की स्थिति और मनोदशा में निहित रहता है। असंतोष को जन्म देने वाली भौतिक परिस्थितियाँ क्रांति हेतु आवश्यक पृष्ठभूमि तैयार करती हैं तथा बौद्धिक चेतना बहुजन को उन परिस्थितियों से मुक्ति पाने के लिए प्रेरित करती है।

फ्रांसीसी क्रांति की पृष्ठभूमि लिखने में कई कारण उत्तरदायी रहे, जैसे-

1. राजनीतिक रूप से निरंकुश राजतंत्र की सत्ता, जिसमें लुई 14वें ने स्पष्ट कहा की 'मैं ही राज्य हूँ' अर्थात् राजा स्वयं में ही राज्य था।
2. समाज मुख्यतः दो भागों में बटा था- अधिकार पूर्ण तथा अधिकारविहीन वर्ग। किसानों के विषय में कहा जाता था कि 'वे इतना दुखी हो चुके थे कि स्वयं ही क्रांतिकारी तत्व के रूप में परिणित हो चुके थे।'
3. उपभोक्ता कीमतों में 65% की वृद्धि के बावजूद पारिश्रमिक कीमतों में केवल 22% की वृद्धि हुई। खाद्यानों की बढ़ती हुई कीमतों में वृद्धि का बड़ा लाभ कुलीनों व पादरियों को ही हो रहा था। जबकि आबादी के दूसरे तबके के लोग लाभान्वित नहीं हो रहे थे।

अथवा

असहयोग आन्दोलन के कारण– वर्ष 1919-1922 में भारत में ब्रिटिश शासन का विरोध करने हेतु खिलाफत और असहयोग, दो जन आन्दोलन आयोजित किये गये थे -

कारण -

1. **सरकार के क्रूरतापूर्ण कार्य -** रॉलेट एक्ट (1919), पंजाब में मार्शल लॉ लागू करने और जलियावाला बाग हत्याकांड ने विदेशी शासन के क्रूर और असभ्य चेहरे को उजागर करने का कार्य किया।
2. **असंतुष्ट भारतीय -** द्वैध शासन की अपनी कुविचारित योजना के साथ मोटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार भारतीयों की स्वशासन की बढ़ती माँग को पूरा करने में विफल रहे।

प्रभाव -

1. **आन्दोलन का अधिकतम प्रसार -** असहयोग आन्दोलन के साथ, राष्ट्रवादी भावनाएँ देश के कोने-कोने में पहुँच गयी और आबादी के प्रति एक वर्ग का राजनीतिकरण किया जिसमें कारीगर, किसान, छात्र, शहरी गरीब, महिलाएँ आदि शामिल थे।
2. स्वराज और स्वदेशी संस्थानों की स्थापना।
3. भारतीयों के मध्य एकता स्थापित करना।
4. **आर्थिक मोर्चे पर प्रभाव -** विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया जिसके चलते वर्ष 1921 और 1922 के मध्य विदेशों से वस्तुओं का आयात आधा हो गया।

2. भारत में जाति प्रथा का राजनीति एवं समाज पर प्रभाव– भारत में जातिप्रथा वोटों के ध्रुवीकरण में अहम् भूमिका निभाती है। विभिन्न राजनीतिक पार्टियों द्वारा समय-समय पर 'येन-केन-प्रकारेण' जातीयों को अपने पक्ष में करके सत्ता प्राप्त की जाती है। पक्षपात में विभाजित भारतीय समाज का राजनीतिक दल देश की आजादी के समय से अपने हित में उपयोग करते आ रहे हैं। जातीय सम्प्रदाय को वह करने से समाज में वैमनस्य पैदा होता है तथा सामाजिक समरसता कम होती है।

जाति प्रथा का समाज पर प्रभाव -

जाति प्रथा के कारण ही भारत के विभिन्न धार्मिक समूह सामाजिक और राजनीतिक रूप से एक दूसरे के समीप नहीं आ सके जिसके कारण एक सुदृढ़ समाज का निर्माण नहीं हो सका।

अथवा

लोकतन्त्र एक उत्तरदायी एवं वैध शासन-व्यवस्था–

लोकतंत्र अपने मूल सिद्धांतों को आपस में जोड़कर एक जवाबदेह, उत्तरदायी और वैध सरकार बनाता है। नियमित चुनाव, पारदर्शिता और एक स्वतंत्र न्यायपालिका के माध्यम से, लोकतंत्र जवाबदेही पैदा करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नेता नागरिकों के हित में कार्य करें। स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों द्वारा चिह्नित यह भागीदारी ढाँचा, लोगों के विश्वास पर आधारित एक वैध सरकार को जन्म देता है। लोकतंत्र में इन तत्वों का संयोजन शासन में सामंजस्य स्थापित करता है तथा एक ऐसी प्रणाली तैयार करता है जहाँ जवाबदेही, और वैधता आम कल्याण को बनाए रखने के लिए एकजुट होती है।

3. खनिज के संरक्षण की विवेचना– भू-वैज्ञानिकों के अनुसार खनिज एक प्राकृतिक रूप से विद्यमान समरूप तत्व हैं, जिसकी एक निश्चित आंतरिक संरचना है। खनिज प्रकृति में अनेक रूपों में पाए जाते हैं, जिसमें कठोर हीरा व नरम चूना तक सम्मिलित हैं।

खनिज संरक्षण - हम सभी को उद्योग और कृषि की खनिज निक्षेपों और उनसे विनिर्मित पदार्थों पर भारी निर्भरता सुप्रेक्षित है। जिन खनिज संसाधनों के निर्माण व सांद्रण में लाखों वर्ष लगे हैं, हम उनका शीघ्रता से उपभोग कर रहे हैं। खनिज निर्माण की भूगर्भिक प्रक्रियाएँ इतनी धीमी हैं कि उनके वर्तमान उपभोग की दर की तुलना में उनके पुनर्भरण की दर अपरिमित रूप से थोड़ी है इसलिए खनिज संसाधन सीमित तथा अनवीकरण योग्य हैं।

निम्न कोटि के अयस्कों का कम लागतों पर प्रयोग करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों का सतत् विकास करते रहना होगा। धातुओं का पुनः चक्रण, रद्दी धातुओं का प्रयोग तथा अन्य प्रतिस्थापनों का उपयोग भविष्य में हमारे खनिज संसाधनों के संरक्षण के उपाय हैं।

अथवा

यदि किसानों को सिंचाई और विपणन सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाती है, तो रोजगार और आय में वृद्धि निम्नवत होगी -

(i) **सिंचाई सुविधाएँ -** सिंचाई सुविधाओं की प्रचुरता के कारण किसान अधिक से अधिक फसल पैदा करने में सक्षम होंगे। कृषि भूमि पर जितनी अधिक फसलें उगाई जायेंगी, रोजगार और आय में उतनी ही वृद्धि होगी। इस प्रकार सिंचाई कृषि उत्पादन, रोजगार एवं आय बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण कारक है।

(ii) **विपणन सुविधाओं को आसान बनाकर -** विपणन सुविधाओं को आसान बनाकर किसान फसलों का उत्पादन कर उन्हें आसानी से बेच सकता है। इस कार्यवाही से न केवल किसान को बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार मिलेगा। फसल बेचने के लिए परिवहन की भी आवश्यकता होगी, जिससे ट्रांसपोर्टर के लिए भी रोजगार पैदा होगा। इसके अलावा फसल बाजार में पहुँचने पर बिकेगी, जिससे व्यापार के साथ-साथ रोजगार सृजन से उनकी आय भी बढ़ेगी तथा भंडारण की सुविधा मिलने से किसानों को अपनी कृषि उपज उचित मूल्य पर बेचने का अवसर मिलेगा।

4. विकास मापने का यू.एन.डी.पी. का मापदण्ड- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम देशों की तुलना उस देश के लोगों के शिक्षा का स्तर, जीवन-प्रत्याशा (स्वास्थ्य) और प्रतिव्यक्ति आय (प्रतिवर्ष) के आधार पर होती है अर्थात् किसी देश को विकसित देश की श्रेणी में माना जायेगा जब शिक्षा का स्तर, जीवन-प्रत्याशा व प्रतिव्यक्ति आय उच्च होगा। विश्व बैंक द्वारा उपयोग किये जाने वाले सिद्धांत केवल प्रतिव्यक्ति आय या औसत आय है। संक्षेप में, UNDP द्वारा विकास के लिए मानव विकास की विभिन्न प्रतिमानों का उपयोग किया जाता है। जबकि विश्व बैंक द्वारा केवल आर्थिक विकास का मापन किया जाता है।

अथवा

भूमि संसाधन– किसी देश या प्रदेश के अंतर्गत सम्मिलित भूमि को भूमि संसाधन कहते हैं। इसके अंतर्गत कृषि भूमि, चारागाह भूमि, वन भूमि, बंजर भूमि आदि को सम्मिलित किया जाता है।

भूमि संसाधन के महत्व -

(i) वन एवं वनोत्पाद जैसे- दरवाजे, खिड़की, कुर्सी, मेज

(ii) कृषि के लिए आवश्यक संसाधन है।

(iii) भूमि के विशाल क्षेत्र का उपयोग चराई के रूप में किया जाता है।

(iv) कारखाने तथा रेलवे लाइन का विकास।

(वर्णनात्मक-2)

(उत्तर लगभग 150 शब्दों में दीजिए)

5. सविनय अवज्ञा आन्दोलन– महात्मा गाँधी द्वारा मार्च 1930 में, 78 आश्रम के अन्य सदस्यों के साथ अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से गुजरात के पश्चिमी समुद्र तट पर स्थित दांडी गाँव के लिए पैदल निकले।

6 अप्रैल, 1930 को वे दांडी पहुँचे, जहाँ गांधी जी द्वारा नमक कानून का उल्लंघन किया गया। चूँकि भारत में नमक उत्पादन पर ब्रिटिश सरकार का एकाधिकार था, इसलिए इसे अवैध माना जाता था। सविनय अवज्ञा आन्दोलन को नमक सत्याग्रह की बदौलत महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त हुआ और नमक मार्च ब्रिटिश सरकार की नीति के प्रति नागरिकों के विरोध का प्रतिनिधित्व करता था।

सविनय अवज्ञा आन्दोलन के कारण-

(i) साइमन कमीशन का गठन

(ii) डोमिनियन स्टेट्स की माँग को अस्वीकार करना।

सविनय अवज्ञा आन्दोलन की सीमाएँ -

भारत के स्वतंत्रता संग्राम पर महत्वपूर्ण प्रभाव के बावजूद, सविनय अवज्ञा आन्दोलन की कुछ सीमाएँ थीं -

(i) इस आन्दोलन में मुख्य रूप से शहरी वर्ग शामिल था, जबकि किसान व अन्य हाशिए पर रहने वाले समूह काफी हद तक इसमें शामिल नहीं थे। इससे आन्दोलन की पहुँच और जनता को संगठित करने की क्षमता सीमित हो गयी।

(ii) आन्दोलन ने अछूतों की उपेक्षा की।

(iii) यह आन्दोलन काफी हद तक महात्मा गांधी के नेतृत्व पर निर्भर था, लेकिन जब उन्हें जेल में डाल दिया गया या अनुपस्थित कर दिया गया तो आन्दोलन की प्रभावशीलता कम हो गयी।

अथवा

ब्रेटन वुड्स समझौते के कारण– अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की स्थापना एक साथ वर्ष 1944 में अमेरिका के न्यू हैम्पशायर में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन के दौरान हुयी थी। इसका तात्कालिक कारण द्वितीय विश्व युद्ध और विश्वव्यापी संकट से जूझ रहे देशों की मदद करना था।

ब्रेटन वुड्स समझौते का उद्देश्य -

(i) इसका मुख्य उद्देश्य सदस्य राष्ट्रों की पुनर्निर्माण और विकास के कार्यों में आर्थिक सहायता देना है।

(ii) यह एक अग्रणी विकास संस्थान है, जो विकासशील देशों में गरीबी से लड़ने तथा सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिए ऋण, गारण्टी, जोखिम-प्रबंधन उत्पादों और विश्लेषणात्मक तथा सलाहकार सेवाएँ देने का काम करता है।

(iii) इसके सदस्य देश संयुक्त रूप से इसके लिए जिम्मेदार होते हैं कि कैसे इसका वित्तपोषण किया जाता है और इसका पैसा कैसे खर्च किया जाता है।

ब्रेटन वुड्स ट्विन्स -

विश्व बैंक और आई.एम.एफ. ब्रेटन वुड्स इंस्टिट्यूट या ब्रेटन वुड्स ट्विन्स कहा जाता है।

6. संघवाद सरकार की एक प्रणाली है जिसमें शक्तियों को सरकार के दो या दो से अधिक स्तरों, जैसे केन्द्र व राज्यों अथवा प्रांतों के बीच विभाजित किया जाता है। भारतीय संविधान में संघवाद को कनाडा के संविधान से लिया गया है।

संघीय व्यवस्था की महत्वपूर्ण विशेषताएँ -

(1) यहाँ सरकार दो या दो से अधिक स्तरों वाली होती है।

(2) अलग-अलग स्तर की सरकारें एक ही नागरिक समूह पर शासन करती हैं पर कानून बनाने, कर वसूलने और प्रशासन का उनका अपना-अपना अधिकार-क्षेत्र होता है।

(3) विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र संविधान में स्पष्ट रूप से वर्णित होते हैं इसलिए संविधान सरकार के हर स्तर के अस्तित्व और प्राधिकार की गारण्टी और सुरक्षा देता है।

(4) संविधान के मौलिक प्रावधानों को किसी एक स्तर की सरकार अकेले नहीं बदल सकती। ऐसे बदलाव दोनों स्तर की सरकारों की सहमति से ही हो सकता है।

अथवा

समाज में महिलाओं को पुरुषों के बराबर अधिकार (शैक्षिक, आर्थिक, राजनैतिक आदि) दिलाने के लिए जिन सामाजिक आंदोलनों को संचालित किया जाता है, उसे नारीवाद कहा जाता है। नारीवाद एक ऐसी विचारधारा है जो महिला एवं पुरुषों के बीच असमानता को स्वीकार करके महिलाओं को बौद्धिक व व्यावहारिक रूप से सशक्त करने पर बल देने का कार्य करता है।

भारत की विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व -

(i) अंतर संसदीय संघ द्वारा संकलित आँकड़ों के अनुसार, भारत में 17वीं लोकसभा में कुल सदस्यता में महिलाएँ मात्र - 14.44% का प्रतिनिधित्व करती हैं।

(ii) भारत निर्वाचन आयोग की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार, महिलाएँ संसद की सभी सदस्यों के मात्र 10.5% का प्रतिनिधित्व करती हैं। (अक्टूबर, 2021 तक की स्थिति के अनुसार)

7. मृदा अपरदन– मृदा अपरदन प्राकृतिक रूप से घटित होने वाली एक भौतिक प्रक्रिया है, जिसमें मुख्यतः जल एवं वायु जैसे प्राकृतिक भौतिक बलों द्वारा भूमि की ऊपरी मृदा के कणों को अलग कर बहा ले जाना सम्मिलित है। यह सभी प्रकार की भू-आकृतियों को प्रभावित करता है।

मृदा अपरदन के समाधान -

(1) समोच्च जुताई - इसके अंतर्गत विभिन्न प्रकार के कृषि कार्य जैसे बुआई, जुताई, भूपरिष्करण, खरपतवार नियंत्रण इत्यादि समोच्च रेखा पर किये जाते हैं। अर्थात् इन कार्यों की दिशा खेत के ढाल के समानांतर न होकर लम्बवत् होती है जिससे भूक्षरण में कमी होती है।

(2) पट्टीदार खेती - इसके अंतर्गत खेत में पट्टीयाँ बनाकर भूक्षरण रोकने हेतु/अवरोधक फसल लगाई जाती है।

(3) सीढ़ीनुमा वेदिकाएँ - पर्वतीय क्षेत्रों में यह अधिक ढाल वाले खेतों में सामान्यतया सीढ़ीनुमा वेदिकाएँ बनाकर फसलें उगाई जाती हैं।

(4) रक्षक मेखलासं – तटीय प्रदेशों और शुष्क प्रदेशों में पवन गति रोकने के लिए वृक्ष कतारों में लगाए जाते हैं। ताकि मृदा आवरण को बचाया जा सके।

अथवा

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम में उपभोक्ताओं के लिए छः अधिकारों का प्रावधान है इस अधिनियम के अंतर्गत स्थापित उपभोक्ता संरक्षण परिषदों की स्थापना उपभोक्ताओं के विभिन्न अधिकारों के प्रवर्तन एवं संरक्षण के लिए की जाती है।

उपभोक्ताओं के अधिकार -

(1) सुरक्षा का अधिकार - उपभोक्ताओं को उन वस्तु एवं सेवाओं के विरुद्ध संरक्षण का अधिकार है जो उसके जीवन एवं स्वास्थ्य के लिए खतरा है। जैसे - बिजली उपकरणों जो गम्भीर रूप से चोट पहुँचा सकते हैं इसलिए उपभोक्ताओं को शिक्षित किया जाता है कि वे आई.एस.आई. (ISI) मार्का बिजली उपकरणों का ही प्रयोग करें।

(2) सूचना का अधिकार - उपभोक्ता को उस वस्तु के संबंध में पूरी जानकारी प्राप्त करने का अधिकार है जिसका वह क्रय करना चाहता है जिसमें उसके घटक, निर्माण तिथि मूल्य, मात्रा, उपयोग के लिए दिशानिर्देश आदि सम्मिलित है।

(3) शिकायत का अधिकार - उपभोक्ता यदि वस्तु एवं सेवा से संतुष्ट नहीं है तो उसे शिकायत दर्ज कराने तथा उसकी सुनवाई का अधिकार है।

8. महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार योजना (मनरेगा) जो विश्व का सबसे बड़ा काम कार्यक्रम है, 25 अगस्त 2005 को शुरू किया गया था। मनरेगा को 'एक वित्तीय वर्ष में कम से कम 100 दिनों की गारंटीकृत मजदूरी रोजगार प्रदान करके ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका सुरक्षा को बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिसके लिए प्रत्येक परिवार के वयस्क सदस्यों को अकुशल मैनुअल काम करने के लिए स्वयं सेवा किया गया था।

उद्देश्य (मनरेगा)

(i) कार्य का कानूनी अधिकार - पहले की रोजगार गारण्टी योजनाओं के विपरीत मनरेगा का उद्देश्य अधिकार आधारित ढाँचे के माध्यम से चरम निर्धनता के कारणों का समाधान करना है।

(ii) लाभार्थियों में कम-से-कम एक-तिहाई महिलाएँ होनी चाहिए।

(iii) मजदूरी का भुगतान न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 के तहत राज्य में कृषि मजदूरों के लिए निर्दिष्ट वैधानिक न्यूनतम मजदूरी के अनुरूप किया जाना चाहिए।

(iv) **माँग-प्रेरित योजना -** मनरेगा की रूपरेखा का सबसे महत्वपूर्ण अंग यह है कि इसके तहत किसी भी ग्रामीण वयस्क को माँग करने के 15 दिनों के भीतर काम पाने की कानूनी रूप से समर्थित गारण्टी प्राप्त है, जिसमें विफल होने पर उसे 'बेरोजगारी भत्ता' प्रदान किया जाता है।

(v) **विकेन्द्रीकृत योजना -** इन कार्यों के योजना निर्माण और कार्यान्वयन में पंचायतीराज संस्थाओं (PRIS) को महत्वपूर्ण भूमिकाएँ सौंपकर विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया को सशक्त करने पर बल दिया गया है।

अथवा

जैव विविधता - जैव विविधता पृथ्वी पर जीवन की समृद्धि और विविधता का वर्णन करती है। यह हमारे ग्रह की सबसे जटिल और महत्वपूर्ण विशेषता है। जैव विविधता के बिना जीवन कायम नहीं रह पायेगा। जैव विविधता पारिस्थितिकी व आर्थिक महत्व रखती है यह हमें पोषण, आवास, ईंधन, कपड़े और कई अन्य संसाधन प्रदान करता है।

जैव विविधता का महत्व -

(i) आर्थिक महत्व -

(a) जैव विविधता भोजन, कास्मेटिक उत्पादों और फार्मास्यूटिकल्स के निर्माण के लिए संसाधनों का भंडार है।

(b) फसलें, पशुधन, मत्स्य पालन और जंगल भोजन के समृद्ध स्रोत हैं।

(c) सिनकोना और फाक्सग्लोव पौधे जैसे जंगली पौधों का उपयोग औषधीय प्रयोजनों के लिए किया जाता है।

(d) लकड़ी, रेशे, इत्र, चिकनाई, रबर और कॉर्क सभी विभिन्न वस्तुएँ पौधों की प्रजातियों से प्राप्त होते हैं।

(ii) **नैतिक महत्व -** सभी प्रजातियों को अस्तित्व का अधिकार है। मनुष्य को अपने स्वैच्छिक विलुप्त होने का कारण नहीं बनना चाहिए।

(मानचित्र सम्बन्धी प्रश्न)

9. (A)

(i) वह स्थान जहाँ सितम्बर, 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ।

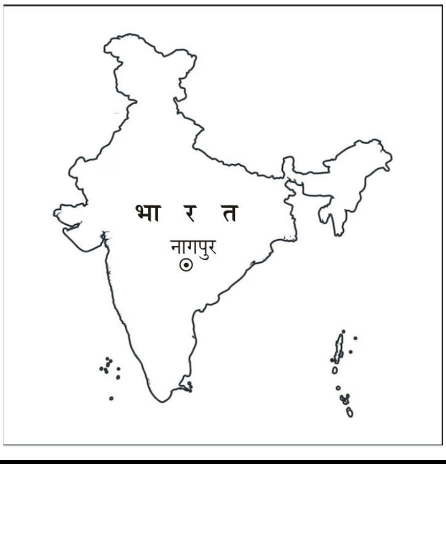

(ii) वह स्थान जहाँ किसान सत्याग्रह आन्दोलन हुआ।

(iii) वह स्थान जहाँ से महात्मा गाँधी ने नमक कानून तोड़ा।

(iv) वह स्थान जहाँ 1929 में भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

(v) वह स्थान जहाँ, 1929 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अधिवेशन हुआ था।

(B)

(i) उत्तर भारत की एक नदी चिह्न द्वारा नाम सहित

(ii) महाराष्ट्र का राजधानी नगर चिह्न द्वारा नाम सहित।

(iii) भारत के पूर्वी तट का एक समुद्री पत्तन (बन्दरगाह) Δ चिह्न द्वारा नाम सहित।

(iv) मैंगनीज उत्पादन का एक क्षेत्र चिह्न द्वारा नाम सहित।

(v) छत्तीसगढ़ की राजधानी नगर ⊙ चिह्न द्वारा नाम सहित।

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9. (A) के मानचित्र-कार्य के विकल्प स्वरूप)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) नागपुर (महाराष्ट्र)

(ii) मुम्बई

(iii) दाण्डी (गुजरात)

(iv) सुंदरगढ़ (ओडिशा)

(v) लाहौर (पाकिस्तान)

(केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 9. (B) के मानचित्र-कार्य के विकल्प स्वरूप)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए। मानचित्र का प्रयोग न कीजिए।

(i) गंगा (उत्तराखण्ड)

(ii) महाराष्ट्र राज्य के कोल्हापुर

(iii) कांडला (गुजरात)

(iv) कावेरी (कर्नाटक)

(v) रायपुर